प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 05 अगस्त, 2017 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलॉम सेण्टर में वार्षिक हिमैटोलॉजी अपडेट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट, मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 अनिल कुमार त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष क्लीनिकल हिमैटोलॉजी विभाग के स्वागत उद्बोधन द्वारा हुआ। इस अवसर पर प्रो0 त्रिपाठी ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह सिर्फ पांच वर्षो में क्लीनिकल हिमैटोलॉजी विभाग देश के अग्रणी हिमैटोलॉजी विभागों में से एक हो गया है जहां पर विभिन्न प्रकार के रक्त रोगो एवं रक्त कैंसर की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा सेवायें उपलब्ध है। उन्होने बताया कि विभाग में मरीजो के उपचार के साथ ही साथ, चिकित्सा छात्रो को प्रशिक्षण एवं शोध के अतिरिक्त तीन अहम योजनाओं का संचालन हो रहा है। जिसमे मरीज और तीमारदारो के साथ निरंतर संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं का निरकरण करना, कर्मचारियों के कल्याण हेतु हेपटाईटिस बी का टीकाकरण, स्वच्छ जीवन शैली, उनके उच्च शिक्षा में सहयोग तथा कम्यूनिटी सर्विसेज विभाग द्वारा शहर और उसके बाहर विभिन्न स्कूलो मे रक्त रोगो एवं रक्त कैंसर की जानकारिया उपलब्ध कराया जाता है। दो वर्ष पूर्व में पूरे वर्ष में 10000 मरीज क्लीनिकल हिमैटोलॉजी विभाग की ओ0पी0डी0 में आये थे जो इस वर्ष 20000 के आस पास मरीजो को ओ0पी0डी0 में पंजीकरण होने की सम्भावना है। 2017 में अब तक 12000 से अधिक मरीज का पंजीकरण हो चुका है। विभाग में गरीब मरीजो, बीपीएल, मरीजो को जो कि इसके पात्र है उनके मुफ्त दवा एवं अन्य सुविधाये उपलब्ध कराई जाती है। विभाग द्वारा गरीब से गरीब मरीजो को भी विश्व स्तरीय इलाज मुहैया कराया जा रहा है।

प्रो0 त्रिपाठी ने भविष्य की योजनाओ के बारे मे बताते हुये कहा कि विभाग मे गुणवत्ता परक स्टेट ऑफ आर्ट प्राइवेट वार्ड की शुरूआत करना, स्टेम सेल प्रत्यारोपण की शुरूआत करना जो की गरीब मरीजो के लिए भी शुलभ होगा और विभाग के अंतर्गत डी0एम0 पाठ्यक्रम का शुरूआत करने की योजना है।

कार्यक्रम में चंडीगढ़ पी0जी0आई0 के हिमैटोलॉजिस्ट प्रो0 पंकज मल्होत्रा ने मायलोमा की नई दवा कि बारे में बताया कि ये दवायें पूरी तरह सुरक्षित है और इससे कीमोथेरेपी के दुष्प्रभाव नही है और इन दवाओं से रोगो को काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। इन दवाओ के प्रयोग में कीमोथेरेपी के विपरीत मरीजों को भर्ती नही करना पड़ता मरीज का इलाज ओ0पी0डी0 से ही किया जा सकता है। इन दवाओं मे प्रमुख है- थाइलिडोमाइड और प्रोटीयोसोम इनहिबिटर। एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ के डॉ0 राजेश कश्यप ने बताया कि क्रनिक ल्यूकेमिया (CLL) को एक नई दवा मोनोक्लोनल एंटीबॉडी द्वारा ठीक किया जा सकता है। यह दवा शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता का प्रयोग करते हुए कैंसर का खात्मा करती है। इस दवा से भी कीमोथेरेपी से होने वाले नुकसान नही होते है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने अपने व्याख्यान में क्लीनिकल हिमैटोलॉजी विभाग की सराहना किया। उन्होने कहा कि जिस तरह से इस नये विभाग ने इतने कम समय में रक्त रोगो एवं रक्त कैंसर का विश्व स्तरीय इलाज हो रहा है यह सराहना के काबिल है

कार्यक्रम में सहारा अस्पताल के डॉ0 सुनील, आर0एम0एल0आई0एम0एस0 से डॉ0 प्रद्युम्न सिंह, डॉ0 नमिता और के0जी0एम0यू0 के डा0 एस0पी0 वर्मा, डॉ0 मिली जैन ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम मे अन्य उपस्थित व्यक्तियों मे प्रो0 विनित दास, प्रो0 अरून चतुर्वेदी, प्रो0 मधुमती गोयल एवं प्रो0 कीर्ति श्रीवास्तव सहित अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य आर्कषण हिमैटोलॉजी क्विज था जिसमें प्रदेश भर के 15 मेडिकल कालेज/ इंस्टीट्यूट से 60 एम0डी0 रेजीडेन्ट डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियो द्वारा गुवाहाटी में होने वाले राष्ट्रीय हिमैटोलॉजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू